pados
a neighborhood development & health initiative

घरेलू हरे कूड़े-अवशिष्ट को कम्पोस्ट कैसे बनाएं

घरेलू और लॉन एवं बाग़ से निकले हुए कूड़े को हम आसानी से कपोस्ट बना सकते है। यह काम घर में , अपने बाग़ में अथवा अपार्टमेंट काम्प्लेक्स तथा कॉलोनी में भी किया जा सकता है। इस प्रकार हम अपने कूड़े को ५० % तक कम कर सकते हैं और उसका उपयोग खाद बना कर अपने गमलों ,लॉन अथवा पेड़ों के लिए कर सकते हैं।

१. कहाँ बनाएं - घर में स्टील या प्लास्टिक के बर्तन में , बाहर जमीन पर या डिब्बे में अथवा गड्ढे में भी। घर के लिए १० से २० लीटर तक के डिब्बे पर्याप्त है। बाहर के लिए 3x3x ३ फुट या इससे बड़े डिब्बे लिए जा सकते हैं। निचली सतह पर जमीन हो तो अच्छा अथवा थोड़ी सी भुरभुरी मिट्टी ,घास या पत्ते डाले जा सकते है।

२. क्या क्या डालें - सब्जियों तथा फलों के छिलके , बचा हुआ खाना ,घास, पतली डालियाँ एवं पत्तियाँ।

३. क्या क्या ना डालें - कीटनाशक ,फ़ैलने वाली खर पतवार के बीज। मांस एवं हड्डियां डालने पर बदबू अथवा चूहे इत्यादि आने का डर रहता है। या तो ना डालें ,या अच्छी तरह से ढक दे.

४. कैसे बनता है कम्पोस्ट -हरी ,वानस्पतिक कूड़े को बैक्टीरिया फंगस इत्यादि धीरे धीरे decopose यानी अपघटित कर देते हैं। इनमे उपस्थित कार्बन एवं नाइट्रोजन ,ऑक्सीजन की उपस्थिति में इन सूक्ष्म जीवाणुओं द्वारा अपघटित कर दिया जाता है। कम्पोस्ट का तापमान ५०-६० डगरी सेंटीग्रेड तक बढ़ सकता है जो की उसके विघटन में मदद करता है।

५. कैसे करे शुरुआत - डिब्बे में नीचे कुछ भुरभुरी मिट्टी अथवा हरी सूखी पत्तियां डाल दें . फिर घरेलू वानस्पतिक कूड़ा अथवा अवशेष उसमे डाल दे। अवशेष का नम होना लाभदायी है। ऊपर से फिर एक लेयर पत्तियों अथवा घास की और फिर अवशेष। कूड़ा नम हो यह सुनिश्चित करे और समय समय पर पानी डाले परन्तु बहुल गीला करके ना रखें। बीच बीच में गोबर अथवा लकड़ी का बुरादा भी डाला जा सकता है। थोड़ा बहुत चूना उसकी महक को खत्म कर देता है.

Add: B-38/63-4 Brijwas Colony Mahmorganj, Varanasi, Uttar Pradesh
Email: contact@pados.org Visit us at: www.pados.org

६. कब तैयार हो जाता है-२-३ महीने में और कभी कभी और भी जल्दी। तैयार होने पर भूरा काला ,जमीन की महक वाला भुरभुरा सा कम्पोस्ट तैयार हो जाता है। इसका उपयोग गमलों अथवा लॉन के लिए किया जा सकता है, अथवा विक्रय किया जा सकता है.

दिक्कतें और उनका निराकरण -

१. बदबू आना -पर्याप्त नमी अथवा हवा का अभाव- हवा के लिए कूड़े को पलटे ,या नमी अधिक होने पर सूखी पत्तिया तथा घास डालें। डिब्बे में बीच बीच में छेद अथवा हवा जाने का स्थान रखें।

२. अवशिष्ट का गरम ना होना -नमी न होने पर पानी डालें -मात्रा कम होने पर कूड़ा बढ़ाएं -नाइट्रोजन की कमी होने पर घास, फल, फूल, सब्जियों के छिलके डालें-- बड़े बड़े टुकड़े होने पर, टुकड़े छोटे छोटे डालें।

३, मक्खियाँ चूहे इत्यादि आने पर-कूड़े में मांस हड्डी तेल चीनी इत्यादि है - इसको मिट्टी में या गहरे दबा दें।

४. छोटे छोटे कीड़े गिराड़ इत्यादि हैं - बैरियर बनाएं अथवा बंद डिब्बों में रखें।

५. बन्दर कूड़ा फैला रहे हैं - ढक्कन बंद रखे - ऊपर पत्तियां या घास डालें , बन्दर रिपेलेंट मशीन प्रयोग करें अथवा जाली से ढक दें।

आईये हम अपने कूड़े का निस्तारण जिम्मेदारी पूर्वक करें और कपोस्ट बनाकर अथवा रीसायकल या पुनर्उपयोग करके कूड़े के मात्रा कम करे अन्यथा जल्दी ही हमारी ये न्यारी धरती माँ एक बड़े कूड़े का ढेर बन कर रह जाएगी।

आपकी और आपके पड़ोस की एक पहल

www .pados.org

आलेख - डॉ सुबोध कुमार सिंह

Add: B-38/63-4 Brijwas Colony Mahmorganj, Varanasi, Uttar Pradesh
Email: contact@pados.org Visit us at: www.pados.org

pados
a neighborhood development & health initiative

प्रिय मित्रों एवं पड़ोसियों

हम सभी के घर से ढेरों कूड़ा रोज निकलता है जिसे हम बहुधा बिना ध्यान दिए बाहर फेक देते हैं और फिर कॉलोनी या शहर गंदे होने की शर्मिंदगी भी उठाते हैं। ये कूड़ा बीमारियो के फैलने का कारण भी बनता है।

अगर हम थोड़ा सा ध्यान दें तो हम इस कूड़े को बेहतर तरीके से निष्पादित करके अपने मुहल्ले और शहर को साफ़ रख सकते हैं। हम आपकी मदद से एक ऐसा ही प्रयोग कर रहे हैं। आईये इस अनूठे प्रयोग में शामिल होकर अपने मोहल्ले और शहर को सुन्दर और साफ़ बनायें।

कूड़े में खाद्य पदार्थ ,छिलके इत्यादि , कागज़, कांच और प्लास्टिक होता है और कुछ धूल कपड़ा इत्यादि। इसमें से लगभग ८०% पुनः उपयोग किया जा सकता है। आइये हम इस कूड़े को अलग अलग करे।

१. घर में सभी खाद्य कूड़े को हम अलग रखें और उसको कम्पोस्ट बिन में डाल दें - हमारे गमलों ,और लॉन के लिए हमें अच्छी क्प्म्पोस्ट खाद मुफ्त मिल जाएगी।

२. कागज़ कांच और प्लास्टिक को अलग कर लें - यह सब पुनः उपयोग हो सकता है - रीसायकल हो सकता है।

३ अन्य कूड़े को अलग कर ले और उसे नगर निगम के कूड़ेदानों में डालें।

हम यह प्रयोग कुछ कॉलोनियों में कर रहे हैं और यह आपका कार्क्रम है और आपके सहयोग से ही चल सकता है।

हमने कुछ कम्पोस्ट बिन का प्रबंध कर लिया है और उसे आपकी कॉलोनी में नियत स्थानों पर रखवा रहे हैं. आप स्वयं अथवा अपने घरेलू कर्मचारियों द्वारा इसमें केवल हरी सब्जियों एवं फलों के छिलके , बचा हुआ खाना , फूल, माला ,पत्तियां घास इत्यादि ही डलवाये। ध्यान रहे कि इसमें प्लास्टिक की थैली ना हो। कम्पोस्ट बनाने का तरीका बहुत आसान है और हम वो भी आपको भेज रहे हैं।

जल्दी ही हम कागज़, प्लास्टिक कांच इत्यादि को भी रीसायकल करने का प्रयास शुरू कर देंगे. इस जनउपयोगी कार्य में आपके सुझाव और आपका सहयोग अपेक्षित है।

एक पड़ोस उपक्रम
डॉ सुबोध कुमार सिंह
संयोजक -पड़ोस स्वच्छता अभियान SECURE - NO Waste -२०२०

Add: B-38/63-4 Brijwas Colony Mahmorganj, Varanasi, Uttar Pradesh
Email: contact@pados.org Visit us at: www.pados.org

pados
a neighborhood development & health initiative